

बाप तो सन्नाते हैं जैसे कर्म करेंगे वैसे देख और भी करेंगे। क्योंकि यह अर्थात् बहुत बड़ी है। इतना हौसला नहीं होता है रिगर्ड खने की। शिव बाबा कितना उंच है। वह इस शरीर में है तो सही ना। यह कर्म करने वाला है। तो पहले 2 सावधान इनको रहना पड़ता है। इनकी बाप का रिगर्ड खना है। मंजिल बड़ी भारी है। हमारा मोस्ट विलवेड बाबा है। हमको नालेज पढ़ाते हैं। धर्मराज भी साथ में है। तो जितना रिगर्ड खना चाहिए वह नहीं रहता। साधारण रहते हैं। तो रिगर्ड खने को हिम्मत नहीं। बहुत साधारण है ना। अच्छे 2 जिनको सब को बाबा महावीर कहते हैं। बाबा देख रहे हैं अच्छे 2 वड़े 2 भी रिगर्ड खा नहीं सकते हैं। बाबा कब सभो के लिये तो कहते नहीं हैं। बाबा को देखने से ही शिव बाबा की याद आनी चाहिए। परन्तु साधारण होने कारण बाप वह रिगर्ड खने नहीं देती। फिर भी दुश्मन है ना। है खेल। दुश्मन आदि को बात नहीं। बाप ने पढ़ाया है यह झाका का खेल है जिसको साक्षी हो देखना है। बाप कहते हैं उंच पद पाने की कोशिश करो। इस समय यहां गोप बहुत अच्छे चल रहे हैं। बड़ी सम्भाल रखनी है। अपने भाग्य को सब्स सराहना चाहिए ना जो जैसा करेंगे वैसा पावेंगे। अच्छा रिगर्ड देंगे तो 21 जन्म लिये अच्छा रिगर्ड पावेंगे। बाबा तो लिखते हैं ना सदैव जीते रहो वच्चे। प्राया कहां क्लास न कर दें। कदम 2 पर जितना बाप की याद करेंगे उतना ही उंच। बाप से बरसा पूरा पाना चाहिए। बाबा तो हमेशा कहते हैं झाका फिल कुल ठीक चल रहा है। सिर्फ अपने ऊपर रहम कर कोशिश कर राजाई तिलक लायक बनना है। अपने पूजा पड़ता है मैं राज तिलक लायक हूं? बाप से पुछेंगे भी वही जो कुछ करीं होंगे। पूछते थे बाबा हम क्लास में आवेंगे। अभी बाबा क्या बतावेंगे। अभी तो पुस्तक करना है। माया कम नहीं है। यहां सेफ है। बाहर बम्बई में तो कोई रहे। बम्बई है गिराने को। वायसकोप आदि तो बहुत ही मंदे हैं। यज्ञ सेवा का भी बहुत बड़ा फल है। सन्न की जो सर्विस करे है वह प्रिय बहुत लगते हैं। मनसा बाबा कर्मणा सर्विस है ना। बाबा ने वच्चों का नाम ही रखा है साहबजादे और साहबजादियों। प्रिन्स-प्रिन्सेज की कालेज होती हैं। उनके भेट में तो तुम बहुत उंच हों। तुम सच्च 21 जन्म लिये बनने लो। वह तो एक जन्म लिये बनते हैं। तुम 21 जन्म के लिये बनते हो। वह प्रिन्स-प्रिन्सेज हैं पढ़ते हैं। तुम 21 जन्म लिये बनते हो। तुम ब्राह्मणों ब्राह्मणियों जैसा कहल भाग्यशाली कोई हो नहीं सकता। जिनको स्वयं पराहता पढ़ाते हैं। ऐसे बाप के वच्चों की चलन कितनी आलीशान होनी चाहिए। पद भी आलीशान लेने वाले हैं। बाहर से जाते से गर्म हवा आया की लगती है। लैस आती जरूर है। भल सर्विस खुल वच्चे हैं। तुम भी जितना यहां याद की यात्रा में रहेंगे उतना बाहर में नहीं रह सकेंगे। एक ही मननाभव का महामंत्र है। कवाई करने का। बाकी सब है गवाने का। अच्छा स्थानी वच्चों की स्थानी बाप दादा का याद प्यार गुडनाईट और नःस्ते।

सूचना :- दिल्ली कपला नगर में बाप दादा के डायरेक्शन प्रमाण कुमारियों का ट्रेनिंग क्लास

दिसम्बर मास में खुल रहा है जिसमें :-

1. भाषण ।
2. म्युजियम प्रदर्शनी सर्विस ।
3. जिज्ञासुओं की हैंडलिंग, उन्नति और उनकी समस्याओं का हल ।
4. जेनरल नालेज ।
5. क्लास करना ।
6. योग और धारणाएं ।
7. बाप दादा और देवी परिवारों के साथ सम्बन्ध और नियमों की जानना ।
8. सेंटर पर मनसा बाबा कर्मणा हर प्रकार की देखरेख ।

आदि आदि पर ट्रेनिंग दी जायेगी। जिस भी कुमारी की शुभ ईच्छा है वह कपला नगर से फार्म बंगला जल्दी से जल्दी अगस्त दिसम्बर मास के अन्दर फार्म भर कर भेजना है। ।

Which 25,000 Equity
 jurnsant to a contract
 COATED PAPERS
 right to receive the proportionate dividends and other distributions
 declared or to be declared for the period commencing from the date
 of conversion till the end of relevant financial year except as regards
 eight hours before the time of holding the meeting
 adjourned meeting, as the case may be, at which he propos
 to vote he shall satisfy the Directors of his rights to trans